

### मुख्य मार्गदर्शक समिति :

डॉ. गिरीशभाई ठाकर - पूर्व मुख्य विकास अधिकारी, सोमनाथ संस्कृत यूनिवर्सिटी, सोमनाथ.

डॉ. सुरेश अग्रवाल - अंग्रेजी विभाग, केन्द्रीय यूनिवर्सिटी, गांधीनगर.

डॉ. जगदीश जोशी - नियामक, एकेडेमिक स्टाफ कोलेज, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद.

डॉ. दिलीप चारण - अध्यक्ष, तत्वज्ञान विभाग, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद.

डॉ. अनिल कपूर - मंत्री, हेम. नोर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी, इंग्लिश टीचर्स एसोसिएशन

### स्थानीय मार्गदर्शक समिति :

श्री सुनिल शाह - मंत्री, बनासकांठा डिस्ट्रिक्ट केलवणी मंडल, पालनपुर.

प्रो. अपूर्व महेता - उपनिदेशक, जी.डी.मोदी विद्यासंकुल, पालनपुर.

### स्थानीय आयोजन समिति :

मंत्री : डॉ. ऋषिकेश रावल सहमंत्री : प्रो. मुकेश रावल.

मो. ९४२६५१५७८०

मो. ९८७९५७३८४७

### स्थानीय संचालन समिति :

डॉ. मनीष रावल डॉ. सुरेखा पटेल डॉ. भारती रावल  
मो. ९८२५१५२८४८ मो. ९४२८०२३०७१ मो. ९८२५२६८९५३

डॉ. मिहिर दवे डॉ. नैलेश पटेल श्री महेश पटेल  
मो. ९४२८३६९२६१ मो. ९३७७५६४१८८ मो. ९९०४१४८६२४

डॉ. विजय प्रजापति श्री हिमांशु रावल  
मो. ९४२८६६३६८७ मो. ९०१६५४२८६०

**For Registration :** <https://forms.gle/yZTkHhdRGUatEDRa7>

### Bank Detail :

Bank Name : The B. K. Mercantile Co. Op. Bank Ltd.

Branch : New Busport, Palanpur.

A/C. Name : Prin. G.D.Modi College of Arts Conference

A/C. No. : 10031001019352

IFCS : TRMC0001003

### QR Code



### परिसंवाद का कार्यक्रम

आगमन - पंजीकरण, चाय एवं अल्पाहार

दिनांक : १२/०१/२४, शुक्रवार, सुबह ९-०० से १०-१५ बजे तक

### उद्घाटन बैठक :

दिनांक : १२/०१/२४, शुक्रवार, सुबह १०-३० से १२-१५ बजे तक

अध्यक्ष - श्री भाग्येशभाई ज़हा

(अध्यक्ष, गुजराती साहित्य अकादमी, गांधीनगर, प्रसिध्द कवि)

अतिथि विशेष - डॉ. बाबुभाई सुथार

(गुजराती साहित्य के सर्जक, विवेचक. यु.एस.ए.)

अतिथि विशेष - श्री विपुलभाई मोदी

(अध्यक्ष, बनासकांठा डिस्ट्रिक्ट केलवणी मंडल पालनपुर.)

### प्रथम बैठक :

दोपहर १२-१५ से १-१५ बजे तक

वक्ता : डॉ. कुलदीप चंद अग्रिहोत्री

(पूर्व कुलपति, सेन्ट्रल युनि., हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला)

### भोजन विराम : दोपहर १-१५ से २-३० बजे

### दूसरी बैठक :

दोपहर २-३० से ४-३० बजे तक

वक्ता : डॉ. सुरेश अग्रवाल

(अंग्रेजी विभाग, सेन्ट्रल युनिवर्सिटी, गांधीनगर.)

वक्ता : डॉ. गिरीशभाई ठाकर ( राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, इतिहास संकलन समिति,)

### चाय विराम एवं मुक्त विहार, अंबाजी दर्शन

### रात्री भोजन : रात्री ८-०० से ९-३० बजे तक

### दिनांक -१३-०१-२४, शनिवार

चाय एवं अल्पाहार, सुबह ८-०० से ९-३० बजे तक

### तृतीय बैठक :

सुबह ९-३० से १०-३० बजे तक

वक्ता - डॉ. जगदीश जोशी

(नियामक, एच.आर.डी.सी, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद)

शोध पत्र वांचन : सुबह १०-३० से १२-०० बजे तक

### समापन बैठक :

दोपहर १२-०० से १-०० बजे तक

अतिथि विशेष - डॉ. जयेन्द्रसिंह जादव

(महामात्र, गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर)

अध्यक्ष - डॉ. जगदीश जोशी

(नियामक, एच.आर.डी.सी, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद)

बी. के. डी. केलवणी मंडल, पालनपुर  
संचालित



जी.डी. मोदी  
कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स,  
पालनपुर.



गुजरात  
साहित्य अकादमी,  
गांधीनगर.

## द्वि - दिवसीय आंतरराष्ट्रीय परिसंवाद (आंतर विद्याशाखाकीय)

### दिनांक

१२ - १३ जनवरी २०२४, शुक्रवार, शनिवार

### विषय

‘भारतीय महाकाव्यों का साहित्य  
और समाज पर प्रभाव’

Impact of Indian Epics on Literature & Society  
(Multi Disciplinary)

### आयोजक

बी. के. डी. केलवणी मंडल, पालनपुर संचालित

जी.डी. मोदी कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स, पालनपुर.

गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर.

पालनपुर. जिल्ला - बनासकांठा. गुजरात

[www.gdmca.ac.in](http://www.gdmca.ac.in)

दूरभाष : ०२७४२ - २५३७८४

### संयोजक :-

डॉ. ऋषिकेश रावल. मो. ९४२६५१५७८०

प्रो. मुकेश रावल. मो. ९८७९५७३८४७



## परिसंवाद :

यह आंतर राष्ट्रीय परिसंवाद बी. के. डी. केलवणी मंडल, पालनपुर संचालित जी. डी. मोदी कोलेज ऑफ आर्ट्स, पालनपुर, और गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर द्वारा संयुक्त रूप में साहित्य, सामाजिक विज्ञान, तत्वज्ञान, शिक्षा और मानवत्व जैसी संयुक्त शाखाओं के विषय में किया गया है। भारतीय महाकाव्यों के रूप में प्रसिद्ध रामायण और महाभारत हर भारतीय के जनमानस में श्रद्धापूर्वक स्थापित है। इसका प्रभाव आज भी हर भारतीय की जीवन शैली, साहित्य, नृत्य, नाट्य और अन्य सभी कलाओं पर भी अभिन्न रूप में देखा जाता है। यह परिसंवाद में साहित्य, शिक्षा, सामाजिक विज्ञान, तत्वज्ञान, राज्यशास्त्र, विज्ञान, कॉमर्स और मानवत्व जैसे कई विषयों के अभ्यास सादर निमंत्रित है। यह परिसंवाद विद्वान अध्यापक अपने संशोधन की प्रस्तुति कर सकें और युवा संशोधक एवं छात्रों को इस माध्यम से कुछ प्रोत्साहन मिल सके ऐसा मंच उपलब्ध करवाएगा।

## यजमान कोलेज :

इस परिसंवाद के मुख्य आयोजक जी.डी. मोदी कोलेज ऑफ आर्ट्स, पालनपुर की स्थापना १९६५ में हुई थी। हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात यूनिवर्सिटी से संलग्न और यु.जी.सी के 2(F) के नियमानुसार 12(b) मान्यता प्राप्त यह कोलेज बनासकांठा जिल्ला की सबसे पुरानी, प्रसिद्ध और तीन बार नेक एक्रिडियेटेड कोलेज है। इस कोलेज में गुजराती, संस्कृत, अंग्रेजी एवम् अर्थशास्त्र जैसे विषयों में स्नातक से अनुस्नातक अभ्यास की सुविधा प्राप्त है।

## पालनपुर शहर :

पालनपुर, उत्तर गुजरात के बनासकांठा जनपद का मुख्य और ऐतिहासिक शहर है। इसकी स्थापना मध्यकाल की १३ वीं सदी में आबू के पास स्थित चंद्रावती नगरी के परमार वंश के राजपूत युवराज प्रह्लादनदेवने 'प्रह्लादनपुर' के स्वनाम से की थी। उत्तर गुजरात की विद्यानगरी 'पाटन' की तरह यह नगर भी विद्या, संस्कृति और साहित्य की भूमि बने इसीलिए उन्होंने भी दूर-दूर से कई विद्वानों को इस नगर में निमंत्रित करके शास्त्रसर्जन की सुविधाएं प्रदान की थीं। १६ वीं सदी से यह नगर में राजस्थान से आये हुए जालोरी नवाबों का शासन शुरू हुआ। जब सरदार वल्लभभाई पटेलने अखंड भारत की रचना के लिए अपने राज्यों को सुपरत करने का आदेश दिया तब पालनपुर के नवाबने किसी भी प्रकार की शर्त के बिना पूरे भारत में सबसे पहले मुस्लिम राज्य सुपरत करके देशभक्ति का उत्कृष्ट द्रष्टान्त प्रस्तुत किया था।

पालनपुर शहर उत्तर गुजरात के बनासकांठा जिल्ले का मुख्य शहर है। यह नगर इत्र (Perfume) शेरो- शायरी (Gazals) हीरे-जवाहरात (Diamond) दिवेला तेल (Castor oil) और आलू के उत्पादन के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है। इस नगर में स्थित बनास डेरी एशिया की सब से बड़ी दूध उत्पादक सहकारी मंडली के रूप में प्रसिद्ध है।

## परिसंवाद का स्थल :

अंबाजी सनातन हिन्दू धर्म के शक्तिपीठ के रूप में सुप्रसिद्ध एक पवित्र तीर्थस्थान है। पौराणिक समय में दक्ष प्रजापतिने एक 'दक्ष महायज्ञ' का

आयोजन किया था। इसमें अपनी पुत्री सती और जामाता शिवजी को निमंत्रित नहीं करके इन्हें अपमानित किये थे। इस अपमान के कारण सतीने यज्ञ की ज्वालाओं में अपने जीवन की आहुति दे दी। इस घटना से क्रोधित होकर शिवजीने सती का जला हुआ शरीर अपने हाथों में लेकर इसी यज्ञमंडप में तांडव नृत्य किया, तब सती के शरीर के विभिन्न अंग भारत में जहां जहां गिरें इन सभी स्थानों पर शक्तिपीठ का निर्माण हुआ और सती के हृदय का भाग जहाँ गिरा, वो पवित्र स्थान "अंबाजी" शक्तिपीठ के रूप में पूजा जाता है।

## विषय :

**साहित्य :** गुजराती, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी।

**सामाजिक विज्ञान एवम् मानवत्व :** तत्वज्ञान, इतिहास, राज्यशास्त्र, शिक्षा, अर्थशास्त्र, कॉमर्स, विज्ञान

## उपविषय :

- प्राचीन समय में महाभारत / रामायण
- संस्थानवाद के समय में महाभारत / रामायण
- मुगल समय में महाभारत / रामायण
- महाभारत / रामायण और बुद्धिजम
- महाभारत / रामायण और जैनीजम
- महाभारत / रामायण और आदिवासी संस्कृति
- महाभारत / रामायण और अन्य महाकाव्य
- महाभारत / रामायण और राज्यशास्त्र एवम् राजकीय विचारधारा
- महाभारत / रामायण एवम् सुशासन व्यवस्था
- महाभारत / रामायण और पाश्चात्य महाकाव्य
- महाभारत / रामायण और तत्वज्ञान .
- विदेशों में महाभारत / रामायण का प्रभाव
- महाभारत / रामायण का अन्य भाषाओं एवम् संस्कृति पर प्रभाव
- महाभारत / रामायण का भारतीय और विदेशी फिल्मों पर प्रभाव
- महाभारत / रामायण की नेपाल, भूटान, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, कम्बोडिया जैसे देशों की संस्कृति पर प्रभाव
- महाभारत / रामायण का चित्र, संगीत, नृत्य, नाटक एवं कठपूतली जैसी कलाओं पर प्रभाव
- महाभारत / रामायण का भाषाशास्त्रीय अभ्यास.
- महाभारत / रामायण में विज्ञान
- महाभारत / रामायण में अर्थव्यवस्था

## शोध-पत्र / आलेख प्रेषण :

- शोधपत्र की महत्तम शब्द मर्यादा २००० शब्दों की होगी ( with MLA style sheet in A4 size paper with margins from all sides)
- Double spacing throughout.
- शोधपत्र की भाषा गुजराती के लिए श्रुति, हिंदी और संस्कृत के लिए मंगल और अंग्रेजी के लिए टाइम्स न्यू रोमन रहेगी। (Scripts should be in MS Word, 12pt font, 1.5 spacing)

- सम्पूर्ण शोधपत्र वाचन की समय मर्यादा महत्तम १० मिनट की रहेगी।
- शोधपत्र के सारांश की शब्द मर्यादा महत्तम २०० शब्दों की रहेगी। शोधपत्र की नकल इस इमेल पर भेजने की कृपा करें।

E-mail : confpalanpur@gmail.com

## पंजीकरण तिथि :

- पूर्ण शोधपत्र प्रेषित करने की अंतिम तिथि (e-mail and 2 hard copy) २५ दिसम्बर २०२३
- चयनकर्ता समिति द्वारा चयन किये गए शोधपत्र ISBN पुस्तक में प्रगट होंगे।

## पंजीकरण शुल्क : (अध्यापकों एवम् संशोधकों के लिए)

- पंजीकरण २५ दिसम्बर २०२३ के पहले ३००० / (तीन हजार पांचसो रुपये)
- पंजीकरण २५ दिसम्बर के बाद ३५०० / (तीन हजार पांचसो रुपये)

## पंजीकरण शुल्क : (पी.एचडी शोधकर्ता एवं छात्रों के लिए)

- पंजीकरण २५ दिसम्बर के पहले २००० / (दो हजार रुपये)
- पंजीकरण २५ दिसम्बर के बाद २५०० / (दो हजार पांचसो रुपये)

## परिसंवाद का स्थल :

अम्बे वेली (इस्कोन गेस्ट हॉउस) खेडब्रह्मा – अहमदाबाद रोड, अंबाजी

## अंबाजी कैसे पहुँचना है ? :

गुजरात का मुख्य शहर अहमदाबाद एरपोर्ट से अंबाजी १८० की.मी की दूरी पर है। नजदीकी रेलवे स्टेशन पालनपुर से ६० की.मी और आबूरोड से २५ की.मी. की दूरी पर है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलोर की सभी ट्रेनों का यहाँ स्टोपेज है।

## अंबाजी के करीबी दर्शनीय स्थल :

इस पवित्र शक्तिपीठ अंबाजी के आसपास 'गब्बर पर्वत', ५१ शक्तिपीठ परिक्रमा, शिल्प स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध जैन कुम्भारियाजी मंदिर, कोटेश्वर महादेव, प्रसिद्ध हिल स्टेशन माउंट आबू – ५० की.मी., रानी की वाव, पाटन - १२० की.मी. और मोढेरा सन टेम्पल - १४० की.मी. जैसे कई स्थल भी यात्रीयों के आकर्षण के केंद्र हैं।

## प्रेरक समिति :

- मुख्य प्रेरक : श्री विपुल मोदी, अध्यक्ष, बनासकांठा डिस्ट्रिक्ट केलवणी मंडल, पालनपुर.
- सह प्रेरक : डॉ. के.डी. सामल, सहायक निदेशक, जी. डी. मोदी विद्यासंकुल, पालनपुर.
- मुख्य आयोजक : प्रिं. डॉ. एस. जी. चौहान, प्रिन्सीपाल, जी.डी. मोदी कोलेज ऑफ आर्ट्स, पालनपुर.

**TWO – DAY INTERNATIONAL SEMINAR**  
On  
**Impact of Indian Epics on Literature and Society**  
(Multi-disciplinary)



**GD Modi  
College of Arts  
Palanpur**



**Gujarat Sahitya  
Academy  
Gandhinagar**

**International Conference**  
organised by  
**GD Modi College of Arts, Palanpur &  
Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar**

Organized By  
**G. D. MODI COLLEGE OF ARTS, PALANPUR**  
And  
**GUJARAT SAHITYA ACADEMY, GANDHINAGAR,**  
[www.gdmca.ac.in](http://www.gdmca.ac.in)



### **About the Seminar:**

Welcome to an intellectual rendezvous that transcends time and space—the Two-Day International Seminar on the Impact of Indian Epics on Literature and Society. Join us in unravelling the profound influence of the Mahabharata, the Ramayana, and other timeless epics that have left an indelible mark on the literary and societal landscapes. We welcome attendees from education, literature, social sciences and humanities irrespective of their linguistic background or discipline with their research, opinions or views on any topic related to the theme of Seminar.

### **About the college:**

Established in 1964, G. D. Modi College of Arts stands as the oldest and foremost educational institution in Banaskantha District. Affiliated with Hemchandracharya North Gujarat University, Patan, and recognized by the UGC under sections 2(f) and 12(b) and having cleared the third cycle of NAAC Accreditation with B+ Grade, the college is dedicated to providing quality education.

The college offers undergraduate programs in the subjects of Gujarati, Sanskrit, English, and Economics. At the postgraduate level, it extends its educational prowess in the departments of English, Sanskrit, Economics, and Gujarati.

Known for its rich heritage and commitment to academic excellence, G.D. Modi College of Arts continues to be a beacon of learning in the region, shaping the intellectual landscape since its inception.

### **Palanpur city:**

According to legend, Palanpur traces its origins to King Prahlanan Dev, a member of the Parmar clan of Rajputs. He received the surrounding area as an appendage from his elder brother and ruled over what is now Mount Abu. In historical records, the region was referred to as Prahlananpur. As time unfolded, Palanpur emerged as the seat of the eponymous princely state during the British Raj.

Today, Palanpur stands as the district headquarter of Banaskantha in the state of Gujarat. The city boasts a rich cultural heritage and is renowned for its production of Attars (Perfumes) and Shaayris (Ghazals). Beyond its cultural contributions, Palanpur has made its mark on the global stage, with diamond tycoons from the city making their presence felt across the world.

Adding another dimension to its profile, Palanpur proudly hosts the Banas Dairy, established in 1969; this co-operative dairy holds the distinction of being the first and largest of its kind in Asia, showcasing the city's progressive and dynamic spirit. Palanpur, a city that

seamlessly blends tradition with modern achievements, continues to carve its niche in the mosaic of India's cultural and economic landscape.

### **Seminar Venue: Ambaji**

A quaint town, situated just 55 km away from Palanpur, holds its distinction as the home of a revered temple—one of the most significant Shaktipithas in Hinduism. This sacred place is believed to be where the heart of Sati Devi, a central figure in Hindu mythology, fell. The temple's Shakti Pitha status originates from the mythological events of Daksh Yagna and Sati's self-immolation. According to the lore, Shakti Pithas were formed as the body parts of Sati Devi's corpse scattered into different regions when Lord Shiva carried her in sorrow after her demise. This sacred site, drawing pilgrims in the millions annually, is surrounded by attractions that add to its allure. The Gabbar hills, the Pathway of 51 Shaktipiths, the Jain Delwada Temples (renowned for its intricate marble carvings), the Koteshvar Temple, and a ropeway are among the prominent places that enhance the spiritual and cultural experience around Ambaji. Each year, devotees and visitors alike are drawn to the spiritual energy and historical significance that permeate this small town, making it a destination of profound religious and cultural importance.

### **Concept of the Seminar:**

The seminar aims to delve into the intricate and profound concept of the Impact of Indian Epics on Literature and Society. We seek to unravel the multifaceted layers of influence that epics like the Mahabharata and the Ramayana have imprinted upon the fabric of human expression and societal evolution.

At its core, the concept explores how these ancient narratives transcend time, geographical boundaries, and linguistic diversities to resonate with contemporary literature and societal structures. The seminar intends to foster a comprehensive understanding of the nuanced characterizations, moral quandaries, and narrative techniques embedded within Indian epics, emphasizing their timeless relevance.

Through engaging discussions, keynote addresses, and interactive paper reading sessions, the seminar aims to facilitate a dynamic exchange of ideas among scholars, enthusiasts, and experts from diverse fields. By exploring the impact of Indian epics on literature, we aim to unravel their role as cultural compasses, shaping perspectives on morality, gender, and social structures.

The seminar serves as a platform for intellectual exploration and it is a collective journey to appreciate, analyze, and draw inspiration from the timeless wisdom encapsulated in the pages of Indian epics, bridging the gap between tradition and modernity.

## **Sub themes for the discussion/research paper and analysis**

- Mahabharata / Ramayana during Ancient period.
- Mahabharata/ Ramayana during Colonial period.
- Mahabharata / Ramayana during Mughal period.
- Mahabharata / Ramayana and Buddhism.
- Mahabharata / Ramayana and Jainism.
- Mahabharata/ Ramayana and tribal cultures.
- Mahabharata/ Ramayana and ethics.
- Mahabharata / Ramayana : Politics and political ideology
- Mahabharata / Ramayana and Good Governance
- Mahabharata/ Ramayana / Western epics and Philosophy.
- Mahabharata/ Ramayana outside India.
- Mahabharata/ Ramayana: adaptations in other languages / cultures.
- Mahabharata/ Ramayana and Cinema.
- Mahabharata/ Ramayana in Nepal, Indonesia, Thailand, Burma, Laos, Malaysia, Cambodia and other countries.
- Mahabharata/ Ramayana in other art forms like dance, drama, painting, puppet shows etc.
- Adaptations of Mahabharata / Ramayana.
- Linguistic study of Mahabharata / Ramayana.
- Mahabharata, Ramayana and Science.

## **Guidelines for Paper Submission:**

- Paper (not exceeding 3000 words) with MLA style sheet in A4 size paper with margins from all sides.
- Double spacing throughout.
- Scripts should be in MS Word, 12pt font, 1.5 spacing – Times New Roman with font size 12. Shruti for Gujarati and Mangal for Hindi and Sanskrit.
- Full paper must not exceed 20 minutes in delivery.
- Soft copy of paper abstract ( 300 words approx. ) and full paper should be e-mailed to [sgchauhan\\_2009@yahoo.com](mailto:sgchauhan_2009@yahoo.com)

## **Important dates:**

- Last date for sending abstracts (e-mail attachment) 05 December 2023
- Last date for sending the full paper (e-mail attachment) along with two hard copies and a soft copy of your presentation is 25 December 2023

### **Please Note:**

- Selected papers will be included in ISBN / ISSN publication.
- In case of co-authors, both authors should remain present during the seminar.

### **Registration Fees: (For Academicians / Professors)**

- Registration before 25 Dec., 2023.      3000/- Rs.
- Registration after 25 Dec., 2023.      3500/- Rs.

### **Registration Fees: (For Ph.D. Scholars and students)**

- Registration before 25 Dec., 2023.      2000/- Rs.
- Registration after 25 Dec., 2023.      2500/- Rs.

- The above mentioned registration charge are only for single participant. Participation fee is also applicable for co-participant.
- At least one author from co-authors of each accepted paper must be registered for the Seminar

The registration fee per delegate includes Triple Sharing Accommodation for one night, the seminar kit, 2 breakfasts, 2 lunches and dinner. The registration fee does not cover the travel from the airport / railway station / to the place of seminar.

### **Venue of the Seminar:**

Ambe valley, (Iskon), Ambaji - Ahmedabad road, Ambaji.

### **Reporting and Checkout:**

The Check– in for delegates at the accommodation is by 10.30 a.m. on 12 January 2024 while the checkout is scheduled by 11.00 a.m., 13 January 2024.

### **Seminar Capacity and Timings:**

Note that January is the tourist season in Ambaji, and arrangement for accommodation is made for a maximum 175 delegates only. The registration portal shall close after attaining 175 registrations.

### **How to reach Ambaji:**

Distance from Ahmedabad Airport, Railway Station and Bus Port: 120 km.  
Nearest Railway Stations and Bus Ports Palanpur: 60 km and Abu Road: 25 km.

### Places to visit near Ambaji:

Ambaji Temple - Gabbar Mountain  
Hill Station Mount-Abu: 50 Km  
Rani Ki Vav, Patan: 110 Km  
Modhera Sun Temple: 140 Km

### Guidance and Inspiration:

Chief Patron : Mr. Vipul Modi. President, B.K.D. Kelavni Mandal, Palanpur.  
Patron : Dr. K. D.Samal. Assi. Director G.D. Modi Vidyasankul, Palanpur.  
Organiser : Dr S. G. Chauhan. Principal, G.D. Modi Arts College, Palanpur.

### Advisory Committee:

Dr. Girishbhai Thaker. Ex-OSD, Somnath Sanskrit University. Somnath.  
Dr. Suresh Agrawal. English Dept. Central University, Gandhinagar.  
Dr. Jagdish Joshi. Director. Human Resource Development Centre, Gujarat University. Ahmedabad.  
Dr. Dilip charan. Head, Dept. of Philosophy. Gujarat university. Ahmedabad  
Dr. Anil Kapoor Secretary, HNGU English Teachers Association

### Local Advisory Committee:

Mr. Sunil Shah: Secretary, Banaskantha District Kelavani Mandal, Palanpur.  
Mr. Apurva Mehta: Deputy Director, G.D. Modi Vidyasankul, Palanpur.

### Organising Committee:

**Secretary:**  
Dr. Rishikesh Raval  
Contact No: 9426515780

**Jt. Secretary:**  
Prof. Mukesh Raval  
Contact No: 9879573847

### Steering Committee:

Dr. Manish Raval  
Dr. Surekha Patel  
Dr. Bharati Ravat  
Mr. Mahesh Patel

Dr. Nailesh Patel  
Dr. Vijay Prajapati  
Dr. Mihir Dave  
Mr. Himanshu Raval

**For Registration:** <https://forms.gle/yZTkHhdRGUatEDRa7>

QR Code

### Bank Detail:

**Bank Name:** The B. K. Mercantile Co. Op. Bank Ltd.  
**Branch:** New Busport, Palanpur.  
**A/C. Name:** Prin. G.D. Modi College of Arts Seminar  
**A/C. No.:** 10031001019352  
**IFSC:** TRMC0001003

PRINCIPAL G D MODI  
COLLEGE OF ARTS  
CONFERENCE



BHIM LPI

Terminal 3-Q890072304



## **Programme Details**

Date: 12/01/2024 Friday

**Arrival** - Registration, Tea and Snacks

9:00 am to 10:30am

**Inaugural Session:**

10:30am to 12:15 pm

**Chairman** – Shri Bhagyesh Jha

(Chairman, Gujarati Sahitya Academy, Gandhinagar, Famous Poet)

**Special Guest** - Dr. Babubhai Suthar

(A well-known Author and Critic of Gujarati Literature, USA)

**Guest of Honor** - Shri Vipulbhai Modi

(President, Banaskantha District Kelavani Mandal, Palanpur)

**First Session:**

12:15pm to 1:15pm

Speaker: Dr. Kuldeep Chand Agnihotri

(Former Vice Chancellor, Central University, Dharamshala, Himachal Pradesh,)

**Lunch break:** 1-15pm to 2-30pm

**Second Session:**

2:30pm to 4:30pm

Speaker: Dr. Suresh Agrawal

(Department of English, Central University, Gandhinagar)

Speaker: Dr. Girishbhai Thakar

(Vice President, *Akhil Bharatiya Itihas Sankalan Samiti*)

**Tea break, Ambaji Darshan and sightseeing**

4:30pm to 8:00pm

**Dinner:** 8:00pm to 9:30pm

Date: 13/01/2024 Saturday

**Tea and Snacks**

8:00am to 9:30am

**Third Session:**

9:30am to 10:30am

**Speaker: Dr. Jagdish Joshi.**

(Director, Human Resource Development Centre, Gujarat University, Ahmedabad)

**Research papers Reading (Parallel Sessions)**

10:30am to 12:00pm

**Closing Ceremony followed by Lunch**

12:00pm to 01:00pm

**Special Guest**

Dr. Jayendra Singh Jadav

(Mahamatra, Gujarat Sahitya Academy, Gandhinagar)

**Chairman**

Dr. Jagdish Joshi

(Director, Human Resource Development Centre, Gujarat University, Ahmedabad)